

# राष्ट्र भू-भाग से नहीं उसके लोगों से बनता है: कोठारी



पिनोड़गढ़ राष्ट्र भू-भाग में जहाँ उसके लोगों से बनता है। किसी भी राष्ट्र के लिए सबसे पहले भूमि, उसमें रहने वाले संसाग, लोगों द्वारा खोले जाने वाली भाषा और सम्झौती अत्यधिक है। राष्ट्र इन सभी लक्षणों का समिक्षण होता है। उस बाते मेंबाहु विश्वविद्यालय में चुना जायेंगे मर्यादा विद्यालय भारत सरकार द्वारा कोशीय निदेशालय राष्ट्रीय में विद्या दीजना, जयपुर के संयुक्त विद्याधान में आयोजित सात दिवस राष्ट्रीय एकता शिविर के पांचवें दिन तीसों सब्र में देशभर के एनएसएस कालनियर्स को सम्मानित करते हुए हिन्दू आध्यात्म और सेवा संस्था के संयोजक गुणदंत कोठारी ने कही। आगे इन्होंने इजरायल का डिवाहरण देते हुए कहा कि हमें अपने राष्ट्र के प्रति सहेज निष्ठ का भाव रखना चाहिये तभी हम एक सच्चे उद्घाटी बहलाने के हकदार हैं। तीसों सब्र की अध्यक्षता करते हुए मेंबाहु विश्वविद्यालय के बूलाधिपति हॉ. अशोक कुमार गदिया ने कहा कि यह सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति एकता की भावना पूर्ण परस्पर एक दूसरे की समझौतियों को सज्जा करने का

मुनहरा मंच है। परिचय एवं स्वागत पार्षद मेंबाहु विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति आनन्द बहुन शुक्ल ने दिया। प्रथम सब्र में देश भर से आये हुए एनएसएस कालनियर्स को मेंबाहु विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं पोस्ट डायरेक्टर हरीश गुरनानी ने सम्बोधित किया। उन्होंने लाज्जों की नौकरी और व्यवसाय के बीच अन्नार को स्पष्ट करते हुए करियर सम्बन्धी व्यापक्याएं जावकारियां साझा की। हमारे सब्र में प्रतिकुलपति आनन्द बहुन शुक्ल ने कहा कि भारत एक स्पष्ट है इसे महसूस करने की कोशिश करें। उन्होंने भारत के विभिन्न राज्यों की समझौतियों का हथाला देते हुए उनमें निहित विभिन्नता में एकता की भावना का नहत्य बताया। शिविर में सभी एनएसएस कालनियर्स ने मेंबाहु विश्वविद्यालय में प्रधातफौरी, योग, अभ्यास एवं सकार्य अभियान में हिस्सा लिया। इस अवसर पर गोजियाबाद डायरेक्टर डॉ. अस्लाम अद्वाल, कोशीय निदेशालय जयपुर के निदेशक एम.पी. भट्टनागर, अवग कट्टामिया, कार्डिनेटर, सौरभ शुक्ला, डॉ. जयोति सिंह राष्ट्र एवं एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी मौजूद रहे।

मेवाड़ विश्व विद्यालय ने राष्ट्रीय एकता शिविर

# अपने राष्ट्र के प्रति सदैव निष्ठा का भाव दखें: कोठारी

गंगरार, 26 मई (जस.)। गढ़ भू-भाग से नहीं उसके लोगों से बदलता है। किसी भी राष्ट्र के लिये सबसे पहले भूमि, उसमें रहने वाले लोग, लोगों द्वारा बोले जाने वाली भाषा और संस्कृत आवश्यक है, राष्ट्र इन सभी तत्वों का सम्मिश्रण होता है।

यह चात मेवाड़ विश्वविद्यालय में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार तथा क्षेत्रीय नियंत्रणालय गण्डीजय में योग्यता अवधारण के सम्बुद्ध तत्वावधान में आरोग्यित भाव दिवस गण्डीजय एकता शिविर के परिवेद्य दिन तीसरे सत्र में देशपात्र के एनएमएम वालन्टर्समें को सम्बोधित करते हुए हिन्दू आध्यात्म और मेवा समाज के संयोग गुणवत्तन कोशुरी ने कहा। उन्होंने इजययत का उदाहरण देते हुए कहा कि हमें अपने गढ़ के प्रति मर्दीव निष्ठा का भाव गण्डीजय जाहिये तभी हम एक सबसे गण्डीजय कालनामे के रखदार है। तीसरे सत्र की अध्यक्षता करते हुए मेवाड़ विश्वविद्यालय के कृत्याधिकारी डॉ. अशोक कुमार गोदाया ने कहा कि यह चात दिवसीय गण्डीजय एकता शिविर विद्यार्थियों में राष्ट्र के



पूरी एकता की भावना एवं परम्परा एवं दूसरे की सम्मूलतयों को साझा करने का मुनाफा मचता है, विश्वविद्यालय का भी मर्दीव यही उदाहरण गत है। उन्होंने कहाया कि मेवाड़ विश्वविद्यालय में

देशपात्र के लगभग 24 राज्यों के विद्यार्थी नियमित अव्ययन करते हैं। कार्यक्रम में परिचय एवं स्वागत भाषण प्रतिकूलवाली अनन्द वर्दुन शुक्ल ने दिया। प्रथम सत्र में देश भर

में अपने हुए एनएमएम वालन्टर्समें को विश्वविद्यालय के ट्रॉफी एवं प्रोफेसियल ड्रायरेक्टर डॉकर गुरुनानी ने सम्मानित किया। उन्होंने लड़ों को नैकरी और व्यवसाय के बीच अन्तर

को सह करते हुए कैरियर सम्बन्धी महत्वपूर्ण ज्ञानकारीया साझा की।

इससे सब में 'गढ़ शिरोग' में सम्बृद्धि की भविका' विश्व एवं एनएमएम वालन्टर्समें को सम्बोधित करते हुए प्रतिकूलवाली अनन्द वर्दुन शुक्ल ने कहा कि भारत एक स्पन्दन है। इसे मानसून करने को कोशिश की। उन्होंने भारत के किभित गण्डों की सम्मूलतयों का ह्यालो देते हुए उनमें निर्वित विभिन्नता में एकता की भावना का महत्व बताया। एनएमएम वालन्टर्समें ने विश्वविद्यालय में प्रभावकारी योग अवसरन एवं सकारी अभियान में हिस्सा लिया। इसके अलावा गण्डावान एवं आसाम के एनएमएम वालन्टर्समें ने देशपात्र में खेलस्ट्र गतिविधियों एवं स्वाक्षरता चौंडे मर्दी एवं विभिन्न सामूहिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया। सम्मानित कार्यक्रम का संचालन गण्डावान के गण्डीजय में योजना की वार्षिक अविधानी हुई रूपीय मिश्न एवं भव्यावाद द्वारा असाम के एनएमएम कार्यक्रम अधिकारी अंगोंने भाव ने किया।

# राष्ट्र भू-भाग से नहीं उसके लोगों से बनता है: गुणवन्त कोठारी

गंगरार। राष्ट्र भू-भाग से नहीं उसके लोगों से बनता है। किसी भी राष्ट्र के लिए सबसे पहले भूमि, उसमें रहने वाले लोग, लोगों द्वारा बोले जाने वाली भाषा और संस्कृति आवश्यक है। राष्ट्र इन सभी तत्त्वों का समिश्रण होता है। उक्त वार्ता मेवाड़ विश्वविद्यालय में युवा कार्यक्रम एवं खेल मन्त्रालय भारत सरकार तथा क्षेत्रीय निदेशालय राष्ट्रीय सेवा योजना, जयपुर के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित सात दिवस राष्ट्रीय एकता शिविर के पांचवें दिन तीसरे सत्र में देशभर के एनएसएस वालन्टियर्स को सम्बोधित करते हुए हिन्दू आध्यात्म और सेवा संस्था के संयोजक गुणवन्त कोठारी ने कही। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया, प्रतिकुलपति आनन्द चर्चन शुक्ल, ट्रेनिंग एवं ऐलेसमेंट डायरेक्टर हरीश गुरनानी ने भी सम्बोधित किया। राष्ट्रनिर्माण में संस्कृत की भूमिका बताई।

# शिक्षा मंत्री डॉ. कल्ला आज चित्तोङ्गढ़ जिले में

चित्तोङ्गढ़ (प्रातःकाल लौटावदाता)। शिक्षा मंत्री डॉ. दी. डी. कल्ला गुरुवार रात रेल मर्ग से उदयपुर से प्रस्थान कर आज बड़े सुबह चित्तोङ्गढ़ रेलवे स्टेशन पहुंचे। प्रस्तापित यात्रा कार्यक्रम के अनुसार शिक्षा मंत्री सुबह 10:30 बजे मेवाड़ दूलियाईटी, गोगरार में एक कार्यक्रम ने शिरकत करेगे और दोपहर 2:15 बजे लिम्बाहेड़ पंचायत समिति समाजार में शिक्षा विभाग के निवास स्थानीय औपचारिकों ली लगीका हैंकर होगे। लगभग लिम्बाहेड़ के गुड़ा लोड़ा में राज्यालय के लिए भवन का उद्घाटन कर यहां से ही सड़क मर्ग ले उदयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

## महिला आयोग अध्यक्ष आज आएंगी

राष्ट्रीय महिला आयोग, अव्याकृत रेलवे रुम्म गुरुवार को उदयपुर परम्परेट ने प्रातः 8:15 बजे सड़क मर्ग छारा प्रस्थान कर मेवाड़ दूलियाईटी गोगरार के एक कार्यक्रम ने शिरकत करेगी। रेलवे रुम्म टाइ विक्रम चित्तोङ्गढ़ में कर गविनार को मेवाड़ दूलियाईटी से सड़क मर्ग छारा उदयपुर के लिए प्रस्थान करेगी।